SHRI HARVINDER SINGH

Shri Harvinder Singh is an accomplished Indian para-archer known for his remarkable achievements on the international stage. He has made history as the first-ever Indian para- archer to win medals for India in both the Paralympics and the Asian Para Games. His contributions have significantly elevated the recognition of para-archery in India and inspired a new generation of athletes.

2. Born on 25th February, 1991, in a remote village in Haryana, Shri Harvinder Singh faced adversity from an early age when an adverse reaction to an injection during childhood resulted in a permanent disability in his left lower limb. However, his determination and perseverance led him to archery, a journey he began in 2012 under the guidance of coach Mr. Jiwanjot Singh Teja. His international career took off in 2017, and within a year, he made history by winning India's first-ever gold medal in para-archery at the 2018 Asian Para Games in Jakarta, Indonesia. He secured the top position in the Men's Individual Recurve Archery (Open category), marking a significant milestone in his sporting career.

3. Shri Harvinder Singh continued his historic achievements by winning a bronze medal at the Tokyo 2020 Paralympic Games, becoming the first Indian archer to earn a Paralympic medal. In 2022, he added another bronze medal to his record in the Men's Team Recurve Archery event at the Asian Para Games in Hangzhou, China. His most defining moment came at the 2024 Paris Paralympic Games, where he won a gold medal in the Men's Recurve Archery (Open category), securing India's first-ever gold in the sport at the Paralympics. This victory solidified his legacy as a trailblazer in Indian para-archery. Apart from his sporting excellence, he is also an academic achiever. He completed his Master's degree in Economics from the Department of Economics, Punjabi University, Patiala. Following this, he pursued a PhD in Economics, further demonstrating his dedication to education alongside his sporting career.

4. Shri Harvinder Singh's extraordinary achievements have been recognized with numerous honors. He was awarded the prestigious Arjuna Award in 2021 for his outstanding contributions to para-archery. In 2022, the Haryana government honored him with the Bhim Award for his excellence in sports.

श्री हरविंदर सिंह

श्री हरविंदर सिंह निपुण भारतीय पैरा–तीरंदाज हैं जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए विख्यात हैं। उन्होंने पैरालंपिक और एशियाई पैरा खेलों, दोनों स्पर्धाओं में भारत के लिए पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा–तीरंदाज के रूप में इतिहास रचा है। उनके योगदान ने भारत में पैरा–तीरंदाजी की मान्यता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है और नई पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरणा दी है।

2. 25 फरवरी, 1991 को हरियाणा के एक सुदूर गाँव में जन्मे, श्री हरविंदर सिंह को अल्पायु से ही प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, जब बचपन में एक इंजेक्शन के गलत रिएक्शन के कारण उनके निचले बाएं पैर में स्थायी विकलांगता आ गई। हालाँकि, उनके दृढ़ संकल्प और लगन ने उन्हें तीरंदाजी की दिशा में अग्रसर किया, ऐसी यात्रा, जो उन्होंने वर्ष 2012 में कोच श्री जीवनजोत सिंह तेजा के मार्गदर्शन में शुरू की थी। उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई और एक वर्ष के भीतर उन्होंने इंडोनेशिया के जकार्ता में वर्ष 2018 के एशियाई पैरा–खेलों में पैरा–तीरंदाजी की स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। उन्होंने पुरुष वर्ग में व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी (ओपन श्रेणी) स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया, जो उनके खेल करियर में महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है।

3. श्री हरविंदर सिंह ने टोक्यो–2020 पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों को जारी रखा और वह पैरालंपिक पदक प्राप्त करने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए। वर्ष 2022 में, उन्होंने चीन के हांग्जो में एशियाई पैरा खेलों में पुरुष टीम रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में अपने रिकॉर्ड में एक और कांस्य पदक जोड़ा। उनके जीवन का सबसे निर्णायक क्षण वर्ष 2024 के पेरिस पैरालंपिक खेलों में आया, जहां उन्होंने पुरुषों की रिकर्व तीरंदाजी (ओपन श्रेणी) में स्वर्ण पदक जीता, जो पैरालिंपिक में इस खेल में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक था। इस जीत ने भारतीय पैरा–तीरंदाजी में ट्रेलब्लेज़र के रूप में उनकी विरासत को और मजबूत किया। अपने खेल कौशल के अलावा, उन्होंने अकादमिक उपलब्धि भी हासिल की है। उन्होंने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के अर्थशास्त्र विभाग से अर्थशास्त्र विषय में अपनी मास्टर डिग्री उत्तीर्ण की। इसके बाद, उन्होंने अर्थशास्त्र में पीएचडी की, जिससे खेल करियर के साथ–साथ शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का पता चलता है।

4. श्री हरविंदर सिंह की असाधारण उपलब्धियों को कई सम्मानों से मान्यता मिली है। पैरा–तीरंदाजी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2021 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2022 में, हरियाणा सरकार ने उन्हें खेलों में उनकी उत्कृष्टता के लिए भीम पुरस्कार से सम्मानित किया।